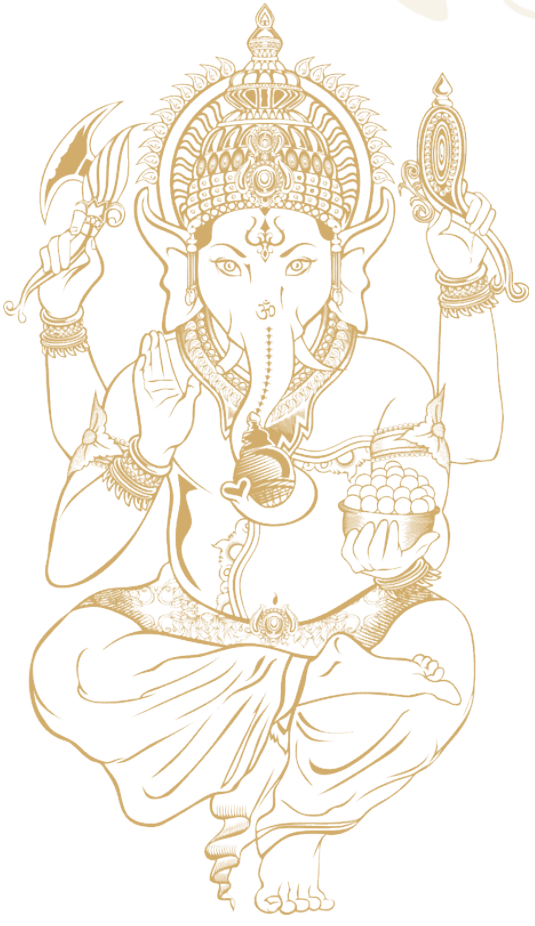

Saloni kumari

11 Sep 2003

12:27 PM

Patna

Model: web-freekundliweb

Order No: 121905803

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**11/09/2003**
दिन	गुरुवार
जन्म समय	**12:27:00 घंटे**
इष्ट	17:14:15 घटी
स्थान	**Patna**
राज्य	Bihar
देश	India

अक्षांश	25:37:00 उत्तर
रेखांश	85:12:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	00:10:48 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	12:37:48 घंटे
वेलान्तर	00:03:08 घंटे
साम्पातिक काल	11:57:22 घंटे
सूर्योदय	05:33:17 घंटे
सूर्यास्त	17:58:17 घंटे
दिनमान	12:25:00 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	शरद
सूर्य के अंश	24:14:07 सिंह
लग्न के अंश	24:42:40 वृश्चिक

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	वृश्चिक - मंगल
राशि-स्वामी	**मीन - गुरु**
नक्षत्र-चरण	**पू०भाद्रपद - 4**
नक्षत्र स्वामी	गुरु
योग	शूल
करण	कौलव
गण	मनुष्य
योनि	सिंह
नाड़ी	आद्य
वर्ण	विप्र
वश्य	जलचर
वर्ग	सर्प
युँजा	अन्त्य
हंसक	जल
जन्म नामाक्षर	दी-दीप्ति
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - लौह
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कन्या

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			वृश्चि	24:42:40	319:13:31	ज्येष्ठा	3	18	मंगल	बुध	राहु	---
सूर्य			सिंह	24:14:07	00:58:19	पू०फाल्गुनी	4	11	सूर्य	शुक्र	बुध	स्वराशि
चंद्र			मीन	01:15:47	12:39:13	पू०भाद्रपद	4	25	गुरु	गुरु	मंगल	सम राशि
मंगल	व		कुंभ	07:51:13	00:11:37	शतभिषा	1	24	शनि	राहु	राहु	सम राशि
बुध	व	अ	सिंह	23:49:29	00:59:47	पू०फाल्गुनी	4	11	सूर्य	शुक्र	शनि	मित्र राशि
गुरु			सिंह	09:19:08	00:12:51	मघा	3	10	सूर्य	केतु	गुरु	मित्र राशि
शुक्र		अ	कन्या	00:39:37	01:14:30	उ०फाल्गुनी	2	12	बुध	सूर्य	राहु	नीच राशि
शनि			मिथु	17:33:33	00:04:32	आर्द्रा	4	6	बुध	राहु	सूर्य	मित्र राशि
राहु	व		मेष	28:35:20	00:09:58	कृतिका	1	3	मंगल	सूर्य	मंगल	शत्रु राशि
केतु	व		तुला	28:35:20	00:09:58	विशाखा	3	16	शुक्र	गुरु	शुक्र	सम राशि
हर्ष	व		कुंभ	06:14:13	00:02:14	धनिष्ठा	4	23	शनि	मंगल	चंद्र	---
नेप	व		मक	16:56:44	00:01:13	श्रवण	3	22	शनि	चंद्र	शनि	---
प्लूटो			वृश्चि	23:22:40	00:00:26	ज्येष्ठा	3	18	मंगल	बुध	मंगल	---
दशम भाव			कन्या	05:22:27	--	उ०फाल्गुनी	--	12	बुध	सूर्य	बुध	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:54:18

लग्न-चलित

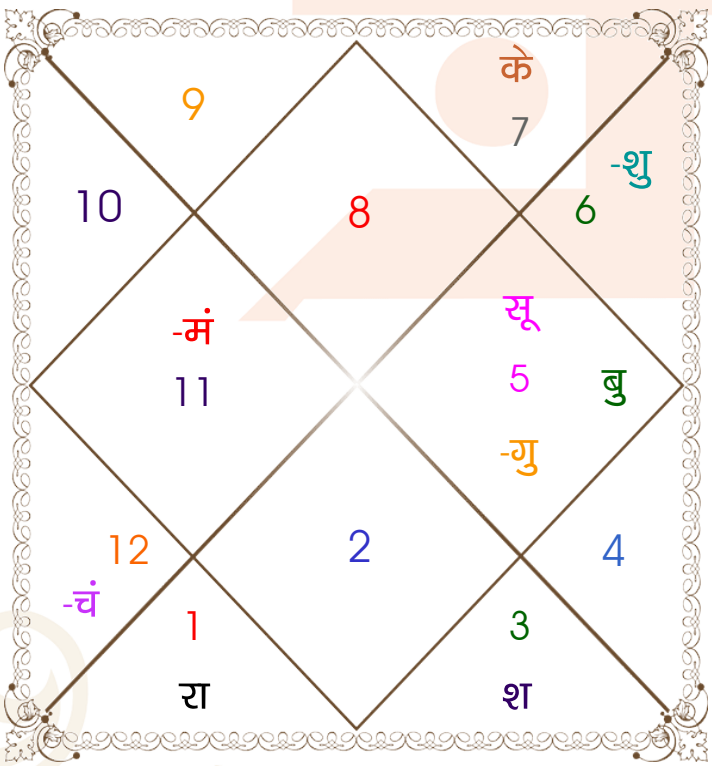

चन्द्र कुंडली

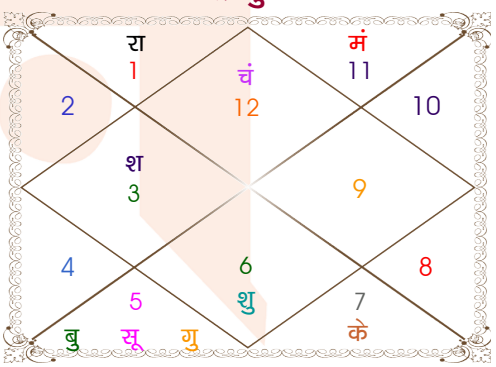

नवमांश कुंडली

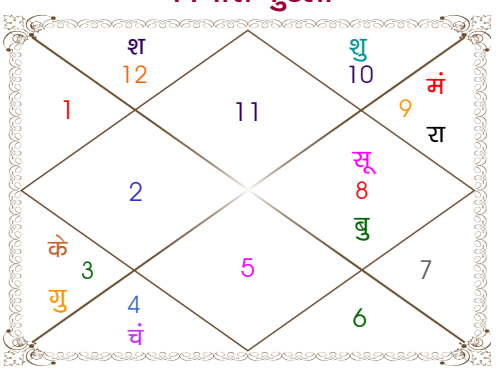

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : गुरु 2 वर्ष 5 मास 24 दिन

गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष	
11/09/2003		06/03/2006		06/03/2025		06/03/2042		06/03/2049	
06/03/2006		06/03/2025		06/03/2042		06/03/2049		06/03/2069	
	00/00/0000	शनि	09/03/2009	बुध	03/08/2027	केतु	03/08/2042	शुक्र	06/07/2052
	00/00/0000	बुध	17/11/2011	केतु	30/07/2028	शुक्र	03/10/2043	सूर्य	06/07/2053
	00/00/0000	केतु	26/12/2012	शुक्र	31/05/2031	सूर्य	08/02/2044	चंद्र	07/03/2055
	00/00/0000	शुक्र	26/02/2016	सूर्य	05/04/2032	चंद्र	08/09/2044	मंगल	06/05/2056
	00/00/0000	सूर्य	07/02/2017	चंद्र	05/09/2033	मंगल	04/02/2045	राहु	07/05/2059
	00/00/0000	चंद्र	08/09/2018	मंगल	02/09/2034	राहु	22/02/2046	गुरु	05/01/2062
	11/09/2003	मंगल	18/10/2019	राहु	21/03/2037	गुरु	29/01/2047	शनि	06/03/2065
मंगल	12/10/2003	राहु	24/08/2022	गुरु	27/06/2039	शनि	09/03/2048	बुध	05/01/2068
राहु	06/03/2006	गुरु	06/03/2025	शनि	06/03/2042	बुध	06/03/2049	केतु	06/03/2069

सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष	
06/03/2069		07/03/2075		06/03/2085		06/03/2092		07/03/2110	
07/03/2075		06/03/2085		06/03/2092		07/03/2110		00/00/0000	
सूर्य	24/06/2069	चंद्र	05/01/2076	मंगल	02/08/2085	राहु	17/11/2094	गुरु	25/04/2112
चंद्र	23/12/2069	मंगल	05/08/2076	राहु	21/08/2086	गुरु	12/04/2097	शनि	06/11/2114
मंगल	30/04/2070	राहु	04/02/2078	गुरु	28/07/2087	शनि	17/02/2100	बुध	11/02/2117
राहु	25/03/2071	गुरु	06/06/2079	शनि	05/09/2088	बुध	06/09/2102	केतु	18/01/2118
गुरु	11/01/2072	शनि	04/01/2081	बुध	02/09/2089	केतु	25/09/2103	शुक्र	18/09/2120
शनि	23/12/2072	बुध	06/06/2082	केतु	29/01/2090	शुक्र	24/09/2106	सूर्य	07/07/2121
बुध	30/10/2073	केतु	05/01/2083	शुक्र	31/03/2091	सूर्य	19/08/2107	चंद्र	06/11/2122
केतु	06/03/2074	शुक्र	05/09/2084	सूर्य	06/08/2091	चंद्र	17/02/2109	मंगल	12/09/2123
शुक्र	07/03/2075	सूर्य	06/03/2085	चंद्र	06/03/2092	मंगल	07/03/2110		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल गुरु 2 वर्ष 6 मा 2 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म ज्येष्ठा नक्षत्र के तृतीय चरण में हुआ था। आपके जन्मकाल पूर्वीय क्षितिज पर वृश्चिक लग्न के साथ-साथ कुंभ राशि का नवमांश एवं कर्क राशि का द्रेष्काण भी उदित था। प्रस्तुत लग्नादिक प्रभाव आपके जीवन की सजीवता का चित्रण करता है। आप मन्द चरित्र की प्राणी हैं। आपकी व्यथित परिस्थिति ने जन सामान्य की दृष्टि में आपकी रहस्यमय महत्वकांक्षा को विपरीत परिवेश में प्रस्तुत किया।

आप में धर्म का अल्प ज्ञान है। फिर भी आप एक धर्म प्रचारक के रूप में प्रायः सबों पर धार्मिक प्रभाव डालती हैं। वस्तुतः सत्य तो यह है कि आपके दृष्टिकोण से धार्मिक विचारधारा बहुतायत में प्राप्त करना। यह संप्रति स्वरूप है। अच्छी धर्मिक विचारधारा दूषित पद्दति को निश्चित रूप से स्वच्छ कर देती है।

आप अद्म्य उत्साह से युक्त होकर अपने लक्ष्य की प्राप्ति हेतु समर्पित हैं तथा स्वतंत्र विचार से भक्ति उपासना की समतुल्यता हेतु स्थिर चित्त से विजयोल्लासित हैं। वास्तव में आप मुसीबतों से संघर्ष करने में आनन्द प्राप्त करती हैं। जिस प्रकार कठिन संघर्ष एवं युद्ध में विजय श्री का आनंद मधुर फलदायी होता है।

समाज में आपकी छवि चतुरता पूर्ण ढंग से अच्छी प्रकार एवं सावधानी पूर्वक अपना कार्य व्यवसाय संचालित करने वालों की श्रेणी में हैं। आपमें दृढ़ कार्य क्षमता के गुण विद्यमान है। परंतु द्वितीय कर्मस्थल पर एवं पति की समस्या का समाधान विशालकाय प्रतीत होता है। आप अपने घर परिवार को प्रसन्नता पूर्वक विकसित करने की इच्छुक हैं। अतएव आप अपनी प्रेमी को प्रसन्न रखने के बिंदु पर प्रयत्नशील रहती हो। परंतु आप अपने पति को किसी भी प्रकार के पश्चाताप का अवसर नहीं देना चाहती हैं। आपका कुछ समय इसी चिंतन में व्यतीत हो जाता है। इस कारणवश आपको पूर्व सूचित किया जाता है कि आप यौन रोग से प्रभावित हो सकती हैं। अतएव गुप्तरूप से वासनात्मक अर्थात संभोगात्मक रोगादि से रक्षित रहें।

आप अपने स्वास्थ्य की रक्षा के प्रति उचित स्रोत अपनाएं अन्यथा आप अर्श रोग तथा ट्यूमर रोग से जीवन के 13 वें वर्ष 27 वें, 31 वें एवं 49 वें वर्षादि में दुःखी हो सकती हैं। उत्तम तो यह है कि समय-समय पर स्वास्थ्य परीक्षण कराती रहें।

आप सामान्यतः अपने कार्य व्यवसाय को अन्यों के साथ करना अस्वीकार्य करती हैं। परंतु यदि कोई आपको उत्तेजित कर दें तो आप बिच्छू के समान डंक मार कर वृश्चिक राशीय गुणों को चरितार्थ कर सकती हैं। इसलिए आपको अपनी उत्तेजनात्मक प्रवृति के प्रति सीमित रहना चाहिए।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में कार्य व्यवसाय संपादन हेतु अनुकूल दिन रविवार, मंगलवार एवं गुरुवार का दिन उत्तम है। परंतु बुधवार शुक्रवार एवं शनिवार का दिन आपके लिए अनुकूल नहीं है।

आपके लिए अंकों में अनुकूल अंक 1, 2, 3, 4 एवं 9 अंक है। परंतु आपके लिए

अंक 5, 6 एवं 8 अंक प्रतिकूल है।

आपकी महत्वकांक्षा एवं अनुकूलता हेतु रंग लाल, नारंगी, पीला एवं क्रीम रंग है। परंतु रंग हरा, नीला एवं सफेद रंग आपके हित प्रतिकूल है।